प्रवेशांक

ई-संवादपत्र
अंतर-विश्वविद्यालय त्वरक केंद्र

जनवरी- मार्च 2026

विश्व हिंदी दिवस आयोजन (09 जनवरी 2026)

राजभाषा नियमों के अनुपालन में अंतर-विश्वविद्यालय त्वरक केंद्र में 9 जनवरी, 2026 को विश्व हिंदी दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम के निर्धारित प्रारूप के अनुसार सभी कर्मचारियों के लिए एक लघु व्याख्यान और हिंदी हास्य काव्यपाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था । श्री शिव कुमार निगम, संयुक्त निदेशक (राजभाषा), इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय मुख्य अतिथि के रूप में और डॉ. राजा राम यादव, उप महाप्रबंधक (हिंदी), दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई ।

कार्यक्रम की शुरुआत में मुख्य अतिथि द्वारा विश्व में हिंदी भाषा के महत्व पर एक लघु व्याख्यान प्रस्तुत किया गया । इसके एक बाद अतिथियों द्वारा एक हिंदी हास्य काव्यपाठ प्रतियोगिता का संचालन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 24 प्रतिभागियों ने भाग लिया । प्रतियोगिता में प्रथम श्रीमती ऊषा कटारिया, प्रशासनिक अधिकारी (संपदा), द्वितीय स्थान डॉ.इंद्रा सुलानिया, वैज्ञानिक 'एफ' और तृतीय स्थान श्री पंकज नयन, अवर श्रेणी लिपिक (कार्मिक) ने प्राप्त किया । अन्य सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहन स्वरूप एक भेंट प्रदान की गई ।

चित्र 1 : अतिथियों का स्वागत करते वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

चित्र 2 : सभा को संबोधित करते मुख्य अतिथि

प्रथम पुरस्कार - श्रीमती ऊषा कटारिया

द्वितीय पुरस्कार - डॉ.इंद्रा सुलानिया

तृतीय पुरस्कार - श्री पंकज नयन

चित्र 3 : हास्य काव्यपाठ प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत करते विशिष्ट अतिथि और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

उदयपुर में आईयूएसी परिचय कार्यक्रम (22 जनवरी, 2026)

अंतर-विश्वविद्यालय त्वरक केंद्र (आईयूएसी) का एक परिचय कार्यक्रम 22 जनवरी 2026 को भूपाल नोबल विश्वविद्यालय, उदयपुर में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य आईयूएसी की राष्ट्रीय अनुसंधान सुविधाओं, उनकी उपयोग प्रक्रियाओं और विभिन्न शैक्षणिक आउटरीच पहलों के बारे में जागरूकता उत्पन्न करना था । इस एक दिवसीय कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के संकाय सदस्यों, पीएचडी विद्वानों और मेजबान संस्थान के साथ-साथ निकटतम कॉलेजों/विश्वविद्यालयों के स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों सहित 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया । कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय उपयोगकर्ता सुविधाओं और उच्च शिक्षा और उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान में त्वरक-आधारित अनुसंधान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उद्घाटन सत्र के साथ हुआ। कार्यक्रम के दौरान तकनीकी वार्ता की एक श्रृंखला हुई, जिसमें आईयूएसी के वैज्ञानिकों द्वारा दो आमंत्रित व्याख्यान भी शामिल थे। डॉ . केडिया ने आईयूएसी की त्वरक सुविधाओं, आयन बीम-आधारित प्रायोगिक तकनीकों और सामग्री विज्ञान में उनके अनुप्रयोगों के साथ-साथ आईयूएसी की आउटरीच पहलों के अवलोकन पर एक व्यावहारिक व्याख्यान प्रदान किया । डॉ . उमापति ने आईयूएसी के त्वरक बुनियादी ढांचे, परमाणु भौतिकी अनुसंधान गतिविधियों और अकादमिक कार्यक्रमों का एक व्यापक अवलोकन प्रस्तुत किया, जिसमें विशेष रूप से त्वरक बीम टाइम के लिए आवेदन करने के लिए उपयोगकर्ता पहुंच तंत्र और प्रक्रियाओं पर बल दिया गया। इनके अतिरिक्त, कार्यक्रम की शैक्षणिक सामग्री को समृद्ध बनाते हुए संकाय सदस्यों और प्रतिभागियों ने भी प्रस्तुतियों और चर्चाओं के माध्यम से योगदान दिया। कार्यक्रम का समापन एक संवादात्मक चर्चा सत्र के साथ हुआ जिसमें छात्रों और युवा शोधकर्ताओं की उत्साही भागीदारी देखी गई। विचारों और प्रश्नों के जीवंत आदान-प्रदान ने अनुसंधान के अवसरों को स्पष्ट करने में सहायता की और भविष्य के शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग को प्रोत्साहित किया । कुल मिलाकर, परिचय कार्यक्रम एक अत्यधिक लाभकारी आउटरीच गतिविधि सिद्ध हुआ।

चित्र 1 : उदयपुर परिचय कार्यक्रम की एक झलक

चित्र 2 : कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागी

कोयना गहन ड्रिल कोर के भू-कालक्रम एवं भू-रसायन पर राष्ट्रीय कार्यशाला (23–25 फरवरी 2026)

अंतर-विश्वविद्यालय त्वरक केंद्र (आईयूएसी) और बोरहोल भूभौतिकीय अनुसंधान प्रयोगशाला (बीजीआरएल) के बीच परस्पर सहयोग बढ़ाने के लक्ष्य से कोयना कोर ड्रिल कोर के भूकालानुक्रम और भू-रसायन विज्ञान पर राष्ट्रीय कार्यशाला 23-25 फरवरी 2026 आयोजित की गई, जिसमें देश के कई सुप्रसिद्ध प्राध्यापक एवं वैज्ञानिक तथा 30 से अधिक विश्वविद्यालय / संस्था के प्रारंभिक शोधकर्ताओं ने भाग लिया। इसका उद्देश्य एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है, जो नए अनुसंधान मार्गों का पता लगाने के लिए मूल्यवान गहन ड्रिल कोर अभिलेखागार का लाभ उठाए और आईयूएसी अनुसंधान सुविधाओं का उपयोग करके अंतर-विषयक दृष्टिकोण के साथ पृथ्वी प्रणाली पर हमारी समझ को गहरा करे। तीन दिनों की अवधि वाली कार्यशाला में उद्घाटन सत्र, क्षेत्र विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यानों की एक श्रृंखला, बीजीआरएल में गहन ड्रिल कोर भंडार का दौरा और महाबलेश्वर में डेक्कन ज्वालामुखी एक्सपोजर का क्षेत्र अध्ययन सम्मिलित था।

चित्र 1 : कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य अतिथि

चित्र 2 : कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागी

चित्र 3 : कार्यक्रम की निर्धारित रूपरेखा के अनुसार क्षेत्र अध्ययन

इन सिलिको क्वांटम मॉडलिंग स्टडीज पर कार्यशाला (22- 27 फरवरी, 2026)

इस शैक्षणिक वर्ष में आई. यू. ए. सी. ने 22 से 27 फरवरी 2026 तक इन-सिलिको क्वांटम मॉडलिंग स्टडीज पर एक कार्यशाला का आयोजन किया । कार्यशाला का आयोजन कम्प्यूटेशनल संघनित पदार्थ भौतिकी और कम्प्यूटेशनल जीव विज्ञान के क्षेत्र में प्रतिष्ठित वक्ताओं द्वारा व्याख्यानों के साथ सामग्री के क्वांटम सिमुलेशन के लिए ओपन-सोर्स क्वांटम एस्प्रेसो पैकेज में प्रतिभागियों को प्रशिक्षित करने के लिए व्यावहारिक सत्रों के साथ किया गया । देश भर से 33 प्रतिभागियों की व्यक्तिगत भागीदारी के साथ इस कार्यशाला को एक अच्छी प्रतिक्रिया प्राप्त हुई । भारत और विदेशों से 20 वक्ताओं ने इसमें भाग लिया, इन्होंने कार्यशाला में व्याख्यान दिए और व्यावहारिक सत्रों का आयोजन किया। कार्यशाला की शुरुआत पहले दिन आई. यू. ए. सी. नई दिल्ली में लिनक्स और उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग (एच. पी. सी.) पर पूर्व-कार्यशाला प्रशिक्षण और परम रुद्र एच. पी. सी. पर कार्य प्रस्तुत करने की प्रक्रियाओं के प्रदर्शन के साथ हुई । कार्यशाला के दौरान, प्रतिभागियों को अनुभव प्राप्त कराने के लिए एच. पी. सी. समूह पर प्रशिक्षण दिए गए । अंत में आयोजन समिति द्वारा वक्ताओं और मिशिगन टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी (एम. टी. यू., यू. एस. ए.) के प्रो. रवींद्र पांडे को वार्ता देने और कार्यशाला के सुचारू आयोजन के लिए धन्यवाद ज्ञापन दिया गया ।

चित्र 1 : इन सिलिको क्वांटम मॉडलिंग स्टडीज पर कार्यशाला

चित्र 2 : कार्यशाला में भाग लेने वाले प्रतिभागी

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस- 2026

अंतर-विश्वविद्यालय त्वरक केंद्र (आईयूएसी) में 28 फरवरी 2026 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया, यह दिन प्रसिद्ध भारतीय वैज्ञानिक सर सी.वी. रमन द्वारा 28 फरवरी 1928 को की गई "रमन प्रभाव" की खोज को स्मरण करते हुए मनाया जाता है, जिसके लिए उन्हें 1930 में नोबेल पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था ।

अपनी दीर्घकालिक परंपरा को बनाए रखते हुए, आईयूएसी ने एक ओपन हाउस कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें स्नातक छात्रों (बीएससी भौतिकी, प्रथम-तृतीय वर्ष)) को आमंत्रित किया गया । कार्यक्रम में आईयूएसी में त्वरक और प्रायोगिक सुविधाओं के निर्देशित दौरे भी शामिल थे । इस पहल का उद्देश्य वैज्ञानिक वातावरण को बढ़ावा देना, भारत में त्वरक-आधारित अनुसंधान के बारे में जागरूकता बढ़ाना और युवा छात्रों को भौतिकी पेशेवर बनाने के लिए प्रेरित करना है । इस कार्यक्रम में दिल्ली एनसीआर क्षेत्र के 20 कॉलेजों के लगभग 175 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

आईयूएसी के निदेशक प्रो. अविनाश चंद्र पांडे ने उद्घाटन भाषण दिया, जिसमें वर्तमान वैज्ञानिक परिदृश्य में स्वदेशी तकनीकी विकास के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डाला गया । मुख्य व्याख्यान अशोक विश्वविद्यालय के कुलपति और प्रसिद्ध खगोल भौतिकीविद् आचार्य सोमक रायचौधरी द्वारा दिया गया । ब्लैक होल कैसे खोजें? शीर्षक वाले उनके भाषण में ब्लैक होल का पता लगाने में शामिल वैज्ञानिक और तकनीकी चुनौतियों को स्पष्ट रूप से समझाया गया था ।

आयोजन समिति की संयोजक डॉ. गोल्डा के. एस. ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया । इसके बाद डॉ. सौमेन कर, अध्यक्ष, शैक्षणिक कार्यक्रम समिति, आईयूएसी द्वारा "आईयूएसी के कण त्वरक और अनुसंधान सुविधाओं का परिचय" विषय पर एक विशेष व्याख्यान दिया गया, जिसमें उन्होंने आईयूएसी में उपलब्ध त्वरक प्रणालियों और प्रायोगिक क्षमताओं का अवलोकन प्रदान किया ।

कार्यक्रम में एक पोस्टर सत्र भी शामिल था जिसमें भाग लेने वाले कॉलेजों ने कण त्वरक से संबंधित कार्य प्रस्तुत किए । छात्रों ने अपनी प्रस्तुतियों में उल्लेखनीय उत्साह और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया । डॉ. बी. के. साहू, डॉ. सी. पी. साफवान, डॉ. फौरन सिंह और श्री सुनील ओझा के विशेषज्ञों के एक पैनल ने प्रतिभागियों के साथ चर्चा की और प्रविष्टियों का मूल्यांकन किया। तीन सर्वश्रेष्ठ पोस्टरों का चयन कर उन्हें पुरस्कृत किया गया ।

चित्र 1 : राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर दीप प्रज्ज्वलन

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस कार्यक्रम - 2026 की एक झलक

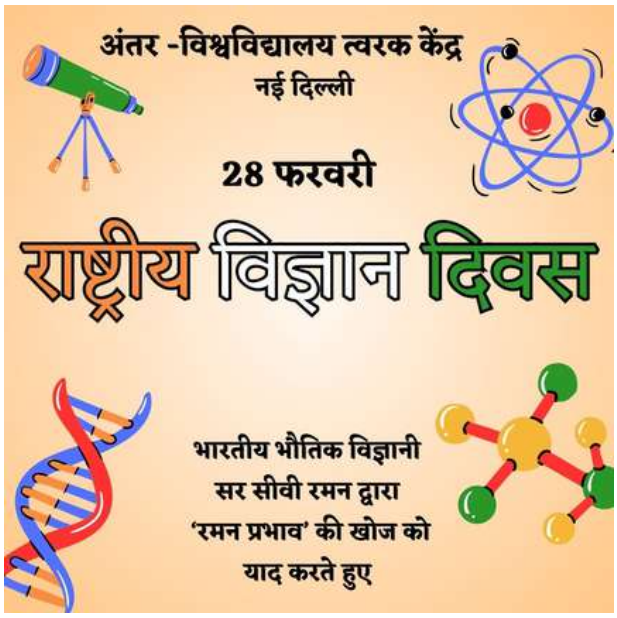

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम (06 मार्च 2026)

अंतर-विश्वविद्यालय त्वरक केंद्र में 6 मार्च, 2026 को सभी कर्मचारियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य अविनाश चंद्र पाण्डेय द्वारा गणमान्य अतिथियों के स्वागत से हुआ ।

कार्यक्रम में श्रीमती वीनू कक्कड़, इंट्रा एजेंसी, पीएसईएएच समन्वयक (भारत), संयुक्त राष्ट्र द्वारा "जेंडर इज़ ऑमनीप्रेजेंट" विषय पर बीज वक्तव्य प्रदान किया गया । कार्यक्रम में आगे डॉ पंखुड़ी द्वारा "द साइनटिफ़िक टेम्परामेंट ऑफ ट्राइबल वुमन ऑफ इंडिया" पर एक विशेष वक्तव्य प्रदान किया गया । मुख्य अतिथि के रूप में शहीद कैप्टन विजयंत थापर की वीरमाता श्रीमती तृप्ता थापर, ने अपनी गरीमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और शहीद कैप्टन थापर की स्मृतियों को सभी के साथ साझा किया ।

चित्र 1 : सभा को संबोधित करते निदेशक महोदय

चित्र 2 : कार्यक्रम में वक्तव्य प्रदान करते अतिथिगण

चित्र 3 : अतिथियों के साथ निदेशक महोदय और महिला कर्मचारी

राजभाषा हिंदी कार्यशाला (23 मार्च, 2026)

केंद्र में राजभाषा हिंदी के सफल कार्यान्वयन हेतु प्रत्येक तिमाही में सभी कर्मचारियों के लिए एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया जाता है । कार्यशाला के आयोजन का प्रमुख उद्देश्य कार्यालय में राजभाषा हिंदी का प्रचार-प्रसार करना और कर्मचारियों को हिंदी भाषा में कार्य करने हेतु प्रेरित करना है ।

सक्षम प्राधिकारी के निदेशानुसार इस तिमाही (जनवरी-मार्च, 2026) में भी नामित कर्मचारियों के लिए एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया ।

चित्र 1 : मुख्य अतिथि और वक्ता

चित्र 2 : कार्यशाला में भाग लेने वाले कर्मचारी

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि और वक्ता के रूप में श्री केवल कृष्ण, सेवानिवृत्त वरिष्ठ तकनीकी निदेशक, राजभाषा विभाग को आमंत्रित किया गया । कार्यशाला का विषय था - ई टूल्स के माध्यम से राजभाषा हिंदी का प्रयोग" । सत्र में विभिन्न राजभाषा एप्स और राजभाषा ई-टूल्स पर चर्चा की गई, जिनके सरल प्रयोग द्वारा परिशुद्धता के साथ हिंदी भाषा में कार्य किया जा सकता है । कार्यक्रम में कुल 30 प्रतिभागियों ने भाग लेकर इसे सफल बनाया ।

सेवानिवृत्ति कार्यक्रम

श्रीमती ऊषा कटारिया के सेवानिवृत्ति कार्यक्रम की एक झलक (दिनांक- 30 जनवरी, 2026)

डॉ. डी कबिराज के सेवानिवृत्ति कार्यक्रम की एक झलक (दिनांक- 27 फरवरी, 2026)

जनवरी-मार्च, 2026 तिमाही के दौरान कुल 2 कर्मचारी केंद्र की सेवाओं से सेवानिवृत्त हुए । श्रीमती ऊषा कटारिया दिनांक 30 जनवरी, 2026 को प्रशासनिक अधिकारी (संपदा) के पद से सेवानिवृत्त हुई । इनकी नियुक्ति केंद्र में दिनांक 07 मई 1990 को आशुलिपिक सह कार्यालय सहायक के रूप में हुई थी । इन्होनें केंद्र में 35 बहुमूल्य वर्षों की सेवाएं प्रदान की ।

डॉ. डी. कबिराज ने केंद्र में लगभग 34 बहुमूल्य वर्षों की सेवाएं प्रदान की । इनकी नियुक्ति केंद्र में दिनांक 27 अगस्त, 1990 को वैज्ञानिक प्रशिक्षु के रूप में हुई थी और दिनांक 27 फरवरी, 2026 को वैज्ञानिक-एच के पद से सेवानिवृत्त हुए ।